मेरा भारत व्यसन मुक्त भारत अभियान के तहत अन्तर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य निषेध दिवस नगर पालिका में हुआ कार्यक्रम

कानून के साथ सद्व्यवहार से व्यसनों पर नियंत्रण संभव ..... सी०एम०ओ०

हांलाकि तम्बाकू , शराब आदि नशीले पदार्थों के गलत प्रयोग के लिए कानून बनाये गये हैं लेकिन फिर भी इनका उपयोग नहीं हो पा रहा है। आवाज उठाने वालों की आवाज नक्कारे में तूती की तरह हो जाती है। नियंत्रण के लिए कानून का भय दिखाने के साथ आपसी सद्व्यवहार से नशीले पदार्थों के उपयोग और उनकी हानि से बचा जा सकता है। यह विचार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के राजयोगा एजूकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन के 18 विंगों में से एक मैडीकल विंग द्वारा चलाये जा रहे ''मेरा भारत व्यसन मुक्त भारत अभियान'' के अन्तर्गत गुरूवार को नगर पालिका के टाउन हॉल में 26 जून अन्तर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य निषेध दिवस के अन्तर्गत, ब्रह्माकुमारीज़ के आनन्दपुरी कालोनी स्थित सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिले के मुख्य चिकित्साधिकारी बागला सिविल हॉस्पीटल के डॉ0 रामवीर सिंह ने नगर पालिका के सभासदों एवं एन0सी0सी0 स्टाफ के समक्ष व्यक्त किये।

इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ बी0के0 श्वेता बहिन द्वारा ''जो काम बड़ों से हो न सके हम छोटे कर दिखलायेंगे'' गीत के साथ–साथ अतिथियों के स्वागत से हुआ। दीप प्रज्ज्वल बी0के0 शान्ता बहिन, नगर पालिका अध्यक्षा डॉली माहौर, पालिका प्रतिनिधि एडवोकेट वासुदेव माहौर, सी0एम0ओ0 डॉ0 रामवीर सिंह, संवाददाता पी0टी0आई0 गुरूदत्त भारतीय आदि द्वारा किया गया।

वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश शर्मा ने नियमों एवं कानून का हवाला देते हुए कहा कि धारा 60 एवं पुलिस एक्ट 30 के अलावा अनेक एक्टों में नशीले पदार्थों की बिक्री एवं सार्वजनिक रूप से प्रयोग आदि के लिए बनाये गये हैं लेकिन इन सभी एक्ट और धाराओं की धज्जियाँ सरेआम लोग उड़ाते नजर आते हैं और जो इन व्यसनों को नहीं करता वह भी इसका शिकार बन जाता है। चुनाव जीतने के लिए भी कई सभासद और अनेक चुनावों में इन नशीले पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है। भाई सत्यगोपाल वार्ष्णेय द्वारा भी व्यसनों से मुक्ति के अपने अनुभवों से लोगों को अवगत कराया गया।

नगर पालिकाध्याक्षा डॉली माहौर ने कहा कि जब हमें इस प्रकार के कार्यक्रमों से नशीले पदार्थों की जानकारी और उनके नुकसान मालूम हो जाते है तब तो उनसे खुद को और अपने परिवार को बचाने का प्रयास करना ही चाहिए। नहीं तो यह केवल कार्यक्रम तक ही सीमित रह जायेगा।

डॉ0 रामवीर सिंह ने कहा कि ब्रह्माकुमारी शान्ता बहिन के निस्वार्थ प्रयासों से जब यह अभियान चलाया जा रहा है तो लोगों खासकर सभासदों को अपने शहर की युवा पीढी को बचाने के लिए संयुक्त रूप से ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के साथ सहयोग से कार्य आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने बागला सिविल हॉस्पीटल में कभी भी शिविर लगाने और बैठक, कार्यक्रम करने का सुझाव और निमंत्रण देते हुए कहा कि हॉस्पीटल मरीजों से भरा रहता है उसमें से बहुत से मरीज जो इन व्यसनों के प्रभाव से प्रभावित हैं उनका जीवन सही दिशा में ले जाकर बचाया जा सकता है।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजिका बी0के0 शान्ता बहिन ने कहा कि सर्वश्रेष्ठ नशा नारायणी नशा है जब इंशान ईश्वरीय नशे में स्थित हो जाता है तो संसार के सभी नशों से दूर आनन्दमय जीवन जीने लगता है। इसके लिए उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभासदों का राजयोग शिक्षा का अपने जीवन में उपयोग करने और आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा खुद को और समाज को इन व्यसनों से दूर करने का आव्हान किया। उन्होंने आत्मदर्शन और परमात्मदर्शन की चर्चा करते हुए आत्मा के सच्चे पिता परमपिता परमात्मा शिव को जानने और उनके कर्तव्यों से रूबरू कराया।

व्यसनों के प्रकार और इन व्यसनों का लोगों द्वारा प्रयोग किये जाने के साथ साथ उनसे होने वाली हानियों के बारे में विस्तार पूर्वक ब्रह्मावत्सों द्वारा व्याख्या की गई और विभिन्न वी0डी0ओ0 फिल्मों के माध्यम से भी उपस्थित जनसमूह को समझाने का प्रयास किया गया। सभी के आभार और राष्ट्रीय गीत के साथ लोगों को इन व्यसनों से मुक्ति मिलने के आव्हान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कमल कुमार कर्दम, मनोज अग्निहोत्री, प्रदीप वार्ष्णेय, शिव कुमार वार्ष्णेय, श्रीकान्त चतुर्वेदी, सत्यनरायण चंदेल, रामजीलाल वर्मा, विजय कुमार, सुमित्रा देवी, मनीष अग्रवाल, अजय शर्मा,आशीष गोयल, प्रदीप कुमार, पिंकूवार्ष्णेय सहित अनेक सभासद और एन0सी0 स्टाफ और अनेक ब्रह्माकुमारी बहिनें उपस्थित थे।

pdfMachine - is a pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Get yours now!
"Thank you very much! I can use Acrobat Distiller or the Acrobat PDFWriter but I consider your product a lot easier to use and much preferable to Adobe's" A.Sarras - USA